>

Title: Need to check soil erosion due to Ganga and other rivers to protect crops in eastern Uttar Pradesh especially in Bhadohi Parliamentary Constituency.

श्री गोरखनाथ पाण्डेय (भदोही): सभापति महोदय, आपने मुझे एक अति महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में मेरा लोक सभा क्षेत्र भदोही है। वहां और उसके साथ-साथ अगल-बगल के जनपदों में हर वर्ष गंगा एवं अन्य नदियों की वजह से बाढ़ आती है और कटान से किसानों की मेहनत से उगाई गई फसलों का नुकसान हो रहा है। हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है, सैंकड़ों एकड़ जमीन कटान से प्रभावित होती है, जिसके कारण किसान भुखमरी एवं दयनीय स्थिति में पहुंच जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भदोही लोक सभा क्षेत्र से मैं आता हूं। सन्त रविदास नगर (भदोही) पूरे देश में कालीन नगरी के रूप में जाना जाता रहा है। आज वह क्षेत्र कई संकटों से जूझ रहा है। एक तरफ तो कालीन का संकट है और दूसरी तरफ हमारे ही क्षेत्र में तीन विधानसभा क्षेत्र और इलाहाबाद से रिलेटिड हमारी विधान सभा है, जहां गंगा एवं वरुणा नदियों की बाढ़ की वजह से हजारों एकड़ जमीन हर वर्ष बर्बाद होती है और दूसरी तरफ गंगा के कटान से भी हमारा एक क्षेत्र कोनियाँ है, वह तीन तरफ से गंगा से घिरा हुआ है और उस क्षेत्र में कई ऐसे गांव हैं, जैसे छछुआ, भुर्रा, हरीरामपुर, मवैया व इटहरा आदि, उसके साथ-साथ औरई विधान सभा क्षेत्र में दर्जनों गांव हैं, जहां हर वर्ष कटान से सैंकड़ों एकड़ जमीन बर्बाद हो रही है। वहां तटबन्ध बनाने की आवश्यकता है। इस महत्वपूर्ण विषय पर पिछली बार भी कई बार हमने इस बात को सदन में उठाया है, माननीय मंत्री जी का भी ध्यान आकृष्ट किया है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके पहले एक हरिहरपुर नाम का गांव पूर्ण रूप से गंगा में विलीन हो गया है। दर्जनों गांव आज कटान की स्थिति में हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि वह क्षेत्र, जो कोनियाँ के नाम से जाना जाता है, जहां दर्जनों गांव कटान और गंगा नदी में विलीन होने की स्थिति में हैं, वहां तत्काल केन्द्रीय सर्वे कराकर अतिशीघ्र तटबन्ध बनाने की कार्रवाई की जाये, जिससे किसानों की बर्बादी, तबाही रोकी जा सके और हजारों एकड़ जमीन को बर्बाद होने से बचाया जा सके।